अनुभव

एक मूर्तिकार की तरह अपने आप को सुंदर मूर्ति बनाने में तत्पर रहतीं

राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी,दिल्ली हरिनगर,
जॉइंट डायरेक्टर ओआरसी,गुरुग्राम

बचपन से ही ठाकुर के समान पलने वाली आदरणीय दादी गुल्ज़ार जी का जीवन दिव्य गुणों और दिव्य शक्तियों की खान रहा। जैसे गुलाब का फूल अपने स्थान पर रहते हुए सर्व को अपनी और आकर्षित करता है इसी प्रकार त्याग, तप और निजी धारणाओं के कारण हम सबको आकर्षित करती थीं।

दादी जी अपने स्वभाव और संस्कारों की बहुत बड़ी धनी थीं। दादी जी अपने आप में इतनी पदमापदम भाग्यवान आत्मा थीं जो हम सब ब्राह्मणात्माओं को तो बहुत पंसद थीं ही परन्तु विश्व कल्याणकारी भाग्य विधाता परमात्मा को भी पसंद थीं, जो परमात्मा ने ब्रह्मा बाबा के अव्यक्त होने के पश्चात उन्हें अपना साकार माध्यम बनाया। दादी जी को दिव्य दृष्टि का वरदान भी प्राप्त था। इस वरदान के फलस्वरूप वह अव्यक्त वतन के अनेक रहस्य भी स्पष्ट करतीं। दादी बुहत ही सरल, स्वच्छ, निर्मल स्वभाव, निरसंकल्प और निश्चिंत हृदय वाली आत्मा थीं तभी तो भगवान ने इनका नाम हृदय मोहिनी रखा।

दादी जी से मेरी पहली मुलाकात 1960 में हुई। उनकी पारसमणि की तरह चुंबकीय शक्तियों से मैं बहुत प्रभावित हुई। दादी ने आत्म सयंम, ईश्वरीय नियम और मर्यादाओं में जो मानव की सबसे बड़ी शोभा है उसमें उठना, बैठना और चलना सिखाया। वह सदा इस बात के लिए कहतीं कि योगी की कर्मेंद्रियां बहुत ही शांत, शीतल और स्थेरियम होनी चाहिए तब से लेकर मेरा ध्यान सदा इस बात की ओर रहता कि योगी बड़े परमार्थी, शीतल जिनके अंग तपत बुझाए औरों को देकर अपना रंग। दादी की वाणी में बड़ा ओज होता। वह जब किसी विषय को लेकर क्लास करातीं तो अंतर्मन की गहराइयों तक ले जातीं। जो भी बोलतीं बहुत सरल, सारयुक्त और रमणीकता वाले बोल होते। जिससे सर्व को खुशनसीब, खुशहाल और खुशमिजाज वाला बना देतीं। दादी की वाणी ओजस्वी और दृष्टि शक्तिशाली थी। मेरा यही पुरुषार्थ रहता कि मुझे वाणी और दृष्टि को शक्तिशाली बनाना है जिसका मैं स्वयं और दूसरे भी अनुभव करें। दादी का एक पाठ मुझे सदा याद रहता कि प्राण बाबा हमें सच्चा हीरा बनाना चाहता है और हीरे को जब तक अच्छी

तरह से नहीं तराशेंगे तो चमक कैसे आयेगी! उसके लिए आत्म निश्चय और परमात्म निश्चय की नींव जितनी मजबूत और गहरी होगी, ज्ञान, गुण और शक्तियों की जितनी धारणा होगी उतने चमकदार सफलता के सितारे बनेंगे। दादी जी इस बात का ध्यान हम सबको खींचवातीं कि जहाँ आप वहाँ खुशी की लहर फैल जाए, वातावरण बहुत ही खुशनुमा बन जाए। आप से सर्व को अपनेपन की भासना आये। आप से दूसरों को ऐसा महसूस हो कि आप आए तो समाधान आ गया। दादी जी स्वयं प्रेम स्वरूप थीं जो हम सबको प्रेम से और एकमत होकर रहना सिखातीं। मैंने दादी को कभी ऊंची आवाज़ से बोलते हुए नहीं देखा, वह एक मूर्तिकार की तरह अपने आप को सुंदर मूर्ति बनाने में तत्पर रहतीं। ताकि मूर्ति में पवित्रता, सत्यता और दिव्यता की झलक-फलक चेहरे और चलन में प्राण बापदादा की सूरत दिखाई दे। हमारा चेहरा, चलन ईश्वरीय संदेश दे। दादी जी की दृष्टि में बुहत शक्ति थी। जिसको भी दृष्टि देतीं उनके जीवन को बदल देतीं। मुझे याद आता है कि हमारे पास एक बहन थी जो अपने पुरुषार्थी जीवन में बिल्कुल होपलेस(आशाहीन)हो गई थी। उसका मन कहीं भी नहीं लग रहा था, वह सदा उदास और परेशान रहती। दादी जी की पवित्र दृष्टि ने उसकी मनोवृत्तियों को बदल दिया, उसमें एक नई आशा की किरण पैदा हो गयी। आज वह बहुत अच्छी तरह से, खुशी से बाबा की सेवा कर रही है और सेंटर इंचार्ज के रूप में सेवा दे रही हैं।

दादी जी कहा करतीं कि प्राण बाबा हम सबकी मनोस्थिति को सशक्त बनाने के लिए बहुत सारी शिक्षा देते हैं उसे अपने अंतर्मन में तब तक रिवाइज़ करते रहो जब तक वह हमारे जीवन की धारणा न बन जाए। दादी जी हर कार्य में न्यारी-प्यारी और उपराम रहतीं, तभी सभी के दिलों पर राज्य करती थीं।

हमें नाम-मान-शान से ऊपर उठकर, अपने को सर्व प्रकार के कर्म बंधनों से मुक्त कर सतोप्रधान, सम्पन्न, संपूर्ण और कर्मातीत बनने के पुरुषार्थ में तत्पर रहना चाहिए। यही हमारी आप सब के प्रति शुभ भावना और शुभ कामना है। एक कदम तुम चलो एक कदम हम चलें, कदम से कदम मिलाकर चलो तो मंज़िल पर पहुंच जाएंगे।

एक नई सोच

हमें यह अच्छे से समझ लेना चाहिए कि लोग हमें शारीरिक सुंदरता से पसंद करते हैं या फिर हमारे अच्छे व्यवहार से...?? क्योंकि शारीरिक सुंदरता पर अगर संबंध टिके होंगे तो निश्चित है कि एक दिन सुंदरता के ढ़लते ही रिश्ते टूट जायेंगे। जबकि अच्छा व्यवहार वह ताकत है जो मृत्यु के बाद भी अमर ही रहती है।

अतः हमें जीवन में हमेशा अपने विचार, व्यवहार, वाणी और कर्मों पर विशेष ध्यान देना चाहिए तभी हमारा जीवन सम्पूर्ण सुखी और शांतिमय होगा। लेकिन परमपिता परमात्मा की याद की शक्ति से ही हम अपने मन, वाणी, कर्म और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। और तभी हमारा जीवन श्रेष्ठ बन सकता है।

तो आइए इस महत्त्वपूर्ण पहलू की ओर हम सभी मिलकर कदम उठाएं और विश्व परिवर्तन के इस महान कार्य में सहयोगी बनें।

जीरापुर-म.प्र.। बसंत उत्सव कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए नगर परिषद् सीएमओ देव नारायण दांगी, जीपीडी चौबे स्कॉलर्स एकेडमी के संचालक तरुण चौबे, रामकृष्ण स्वामी विवेकानंद स्कूल संचालक संजय पवार, नवदुनिया पत्रकार रविन्द्र हाड़ा तथा ब्र.कु. नम्रता बहन।

आगरा-कमला नगर(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा किसानों को सशक्त बनाने एवं शाश्वत यौगिक खेती को बढ़ावा देने के लिए आयोजित मीटिंग में प्रभाग के एक्टिव मेम्बर ब्र.कु. राजेन्द्र भाई,पलवल, प्रभाग की ज़ोनल कोऑर्डिनेटर एवं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका सादाबाद सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. भावना बहन, ज़ोनल सह प्रभारी,भरतपुर जनपद प्रभारी ब्र.कु. कविता दीदी, ज़ोनल प्रभारी ब्र.कु. शीला दीदी, ब्र.कु. मंजरी दीदी तथा अन्य स्थानों से आये ब्र.कु. भाई-बहनें भी उपस्थित रहे।

सीतामऊ-मंदसौर(म.प्र.)। सेवाकेन्द्र के 14वें वार्षिकोत्सव समारोह में दीप प्रज्वलित करते हुए पी.सी. पाटीदार,सीईओ, किशोरी लाल सोनी,वरिष्ठ अध्यापक, ब्र.कु. उषा बहन, ब्र.कु. श्यामा बहन, ब्र.कु. कृष्णा बहन तथा अन्य।

बक्सवाहा-छतरपुर(म.प्र.)। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' थीम के अंतर्गत 'स्वर्णिम भारत के निर्माण में मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में छतरपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शैलजा बहन, ब्र.कु. कल्पना बहन, ब्र.कु. रमा बहन, राज एक्सप्रेस से बलभद्र राय, नवदुनिया से राजेश रागी, नई दुनिया से अभिषेक असाटी, वी न्यूज़ से रिपोर्टर अंशुल असाटी, एआईएमए मीडिया समूह से अनिल जैन, सर्कल एप रिपोर्टर सौरभ जैन, नवनीत जैन, धर्मेन्द्र राय, एसीएन भारत फहीम उद्दीन, दैनिक जागरण से आशीष चौरसिया, अनादी टीवी मीडिया से मोहित जैन, दैनिक भास्कर से राजू दुबे आदि उपस्थित रहे।

जबलपुर-बिलहरी(म.प्र.)। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के अंतर्गत भारतीय सशस्त्र बल के भाई-बहनों के लिए आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम के दौरान समूह चित्र में पूर्व सैनिक परिषद् जबलपुर के अध्यक्ष आर.के. तिवारी, ब्र.कु. लेफ्टिनेंट कर्नल विकास राव चौहान, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. विमला दीदी, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. बाला बहन तथा अन्य।

आस्का-ओडिशा। रक्तदान शिविर का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए प्रशांत कुमार साहू,आईआईसी,आस्का पुलिस स्टेशन, एसआई इंदिरा उपाध्याय, संबद न्यूज़पेपर के जिला संयोजक बसंत कुमार पंडा, बहरामपुर ब्लड बैंक के डॉ. प्रशांत कुमार पाणिग्रही, ब्र.कु. प्रवाती बहन तथा अन्य।